CBSE Class 09 - Hindi B

आदर्श प्रश्न पत्र - 08 (2020-21)

Maximum Marks: 80

Time Allowed: 3 hours

General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

   भरपेट मांस वही शेर खा सकता हैं जो अपने हाथ पाँव हिलाता है, घर से बाहर निकलता है दौड़ धूप करता है और कभी कभी बलवान हाथियों से भी लोहा लेने के लिए तैयार रहता है। इस दौड़ धूप का नाम ही परिश्रम है। इसी को उद्यम कहते हैं। पुरुषार्थ भी इसी का पर्यायवाची है। परिश्रम के साथ साथ ईमानदारी का होना भी आवश्यक है। सदा सोच समझकर उचित स्थान पर परिश्रम करना चाहिए तभी वह परिश्रम सफल हो सकता है वरना उसका परिणाम निष्फल हो जाएगा। जीवन में परिश्रम से ही सफलता मिलती है। मन में केवल इच्छा कर लेने से नहीं मेहनत बड़े पुरुष या व्यक्ति बनने की निशानी है। इसीलिए विद्यार्थियो ! यदि तुम भी जीवन में कुछ करतब कर दिखाना चाहते हो तो परिश्रम रूपी लाठी का सहारा लो।

   i. भर पेट मांस खाने के लिए शेर को क्या-क्या करना पड़ता है? (2)
   ii. परिश्रम कब सफल होता है? (2)
   iii. 'ईमानदारी' और 'सफलता' में मूलशब्द व प्रत्यय को अलग-अलग कीजिए। (2)
   iv. विद्यार्थियों के लिए क्या आवश्यक है? (2)
   v. परिश्रम का ही दूसरा नाम क्या है? (1)
   vi. परिश्रम के साथ साथ किसका होना भी आवश्यक है? (1)

खंड - ख (व्याकरण)

2. शब्द ________ के नियमों से मुक्त या स्वतंत्र होता है।

   a. व्याकरण

b. वाक्य

c. शब्द

d. पद

3. सही वाक्य पहचानिए -

a. शब्द और पद दोनों स्वतंत्र इकाइयाँ हैं।

b. पद और शब्दों को, वाक्य की आवश्यकतानुसार परिवर्तित किया जा सकता है।

c. शब्द और पद, दोनों का प्रयोग कोश में किया जा सकता है।

d. वाक्य में प्रयोग होने के बाद शब्द 'पद' बन जाता है।

4. निम्नलिखित में से किस शब्द में अनुस्वार का प्रयोग नहीं किया गया है?

a. चिंतन

b. आँखें

c. मंडल

d. ढंग

5. अनुस्वार को मूल रूप से वर्ण का कौन-सा भेद माना जाता है?

a. उष्म

b. अंतस्थ

c. व्यंजन

d. स्वर

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

7. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय प्रयोग किया गया है ?

a. निडर

b. आजन्म

c. बचपन

d. भरपेट

9. 'महत्व' शब्द में कौन-सा प्रत्यय प्रयोग किया गया है?

a. हत्व

b. त्व

c. वह

d. व

10. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द-युग्म ' बदन-वदन' का अर्थ है -

a. शरीर-मुख

b. सार्थक शब्द- निरर्थक शब्द

c. शरीर- चेहरा

d. अंग -प्रत्यंग

11. 'भवन' शब्द का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द होगा-

a. बहन

b. संसार

c. भुवन

d. मकान

12. 'देव' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. अमर

b. कूल

c. अनोखा

d. रंक

13. 'पुष्प' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. मेह

b. श्रोत्र

c. पावस

d. प्रसून

14. 'उपकार' शब्द का विलोम बताइए।

a. प्रकट

b. प्रतिकार

c. अपकार

d. आरोप

15. 'अवनति' शब्द का विलोम बताइए।

a. निम्न

b. प्रतिक्रिया

c. विरह

d. उन्नति

16. **तुम कब आए?** वाक्य किस प्रकार का वाक्य है?

a. निषेध वाचक वाक्य

b. इच्छा बोधक वाक्य

c. संदेहसूचक वाक्य

d. प्रश्नवाचक वाक्य

17. **तुमने तो मेरा मन जीत लिया** किस प्रकार का वाक्य है?

a. विस्मयादिबोधक वाक्य

b. इच्छाबोधक वाक्य

c. मिश्र वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए मनुष्य के जीवन में पोशाक का क्या महत्व है?

b. सम्बन्धों का संक्रमण के दौर से गुजरना - पंक्ति से क्या आशय है? तुम कब जाओगे, अतिथि? पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

c. लेखक ने ऐसा क्यों कहा है कि 'धर्म की मार से ज्यादा बुद्धि की मार बुरी है।'?

19. आशय स्पष्ट कीजिए- शोक करने, गम मनाने के लिए भी सहूलियत चाहिए और.... दुःखी होने का भी एक अधिकार होता

है।

OR

भावना से सम्मिलित अभियान संभव नहीं है। लेखिका बछेन्द्री पाल ने ऐसा क्यों कहा है स्पष्ट कीजिए।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. भाव स्पष्ट कीजिए- नीचहु ऊच करै मेरा गोबिंदु काहू ते न डरै

    b. भाव स्पष्ट कीजिए- रहिमन मूलहिं सीचिबों, फूलै फलै अघाय।

    c. एक फूल की चाह कविता की प्रासंगिकता स्पष्ट कीजिए।

21. प्रेम का धागा टूटने पर पहले की भाँति क्यों नहीं हो पाता? रहीम के पद के आधार पर लिखिए।

OR

एक फूल की चाह कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. अस्वस्थ लेखिका को ध्यान गिल्लू किस तरह रखता था? इस कार्य से गिल्लू की कौन सी विशेषता का पता चलता है?

    b. लेखक का परिचय हामिद खाँ से किन परिस्थितियों में हुआ?

    c. इनसे आप लोग त्याग और हिम्मत सीखें -गाँधी जी ने यह किसके लिए और किस सन्दर्भ में कहा?

खंड - घ (लेखन)

23. **खेलकूद का छात्र-जीवन में महत्व** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

OR

हिन्दी साहित्य की उपेक्षा विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- हमारी मातृभाषा
- पाठकों का घटता रुझान और कारण
- उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय

24. अपने घर के आप-पास की झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों को स्कूल जाने को प्रेरित करने की योजना समझाते हुए अपने

मित्र को पत्र लिखिए।

OR

अत्यधिक फैशन से बचने के लिए प्रेरणा देते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।

25. आप अपने नवनिर्वाचित सांसद को बधाई देते हुए संदेश लिखिए।

OR

आप अपने क्षेत्रवासियों की ओर से नवनिर्वाचित विधायक को बधाई संदेश दीजिए।

26. दुनिया में भुखमरी और कुपोषण विषय पर अपने मित्र के साथ संवाद 50 शब्दों में लिखिए।

OR

विकास के मॉडल-हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच परस्पर संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

27. स्वच्छता के विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

दहेज उन्मूलन विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

9 Hindi B SP-08

Class 09 - Hindi B

Solution

खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. भरपेट मांस खाने के लिए शेर को घर से बाहर निकलकर दौड़-धूप करनी पड़ती है। कभी-कभी बलवान हाथियों से भी लोहा लेना पड़ता है।
   ii. सोच समझकर, उचित स्थान पर किया गया परिश्रम ही सफल होता है।
   iii. ईमान + दारी, सफल + ता।
   iv. जीवन में कुछ करतब दिखाने के लिए परिश्रम रूपी लाठी का सहारा लेना चाहिए।
   v. उद्यम
   vi. ईमानदारी

खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) वाक्य

   Explanation: वाक्य - शब्द का अपना स्वरूप होता है।
3. (d) वाक्य में प्रयोग होने के बाद शब्द 'पद' बन जाता है।

   Explanation: वाक्य में प्रयोग होने के बाद शब्द 'पद' बन जाता है। जैसे - मोहन विद्यालय जाता है।
4. (b) आँखें

   Explanation: आँखें
5. (c) व्यंजन

   Explanation: व्यंजन। अनुस्वार स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। जैसे- गंगा = गङ्गा
6. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त (अति+रिक्त= अधिक)
7. (d) निर्

   Explanation: निर् (निर्+जन)
8. (c) बचपन

   Explanation: बचपन (बच्चा+पन)
9. (b) त्व

   Explanation: त्व (महत+ त्व)
10. (a) शरीर-मुख

    Explanation: 'बदन' का अर्थ 'शरीर' तथा 'वदन' का अर्थ मुख होता है।
11. (c) भुवन

Explanation: 'भवन-भुवन' ये दोनों ही शब्द उच्चारण में एक से लगते हैं परंतु अर्थ भिन्न हैं।

12. (a) अमर

    Explanation: देव-अमर

13. (d) प्रसून

    Explanation: पुष्प- प्रसून

14. (c) अपकार

    Explanation: उपकार - अपकार

15. (d) उन्नति

    Explanation: अवनति - उन्नति

16. (d) प्रश्नवाचक वाक्य

    Explanation: दिए गए उदाहरण से प्रश्न पूछे जाने का बोध हो रहा है और इस वाक्य में प्रश्नसूचक चिह्न लगा हुआ है, इसीलिए ये प्रश्नवाचक वाक्य का उदाहरण है।

17. (a) विस्मयादिबोधक वाक्य

    Explanation: इस वाक्य में खुश होने का भाव प्रकट होता है, इसीलिए यह विस्मयादिबोधक वाक्य का उदाहरण है।

खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. i. उसकी पोशाक ही समाज में उसका दर्जा तय करती है।
       ii. पोशाक ही मनुष्य के उन्नति के बन्द दरवाजे खोल देती है।
       iii. पोशाक व्यक्तियों को समाज की विभिन्न श्रेणियों में बाँटती है।

    b. सम्बन्धों का संक्रमण के दौर से गुजरने का अर्थ है-सम्बन्धों में परिवर्तन आना, सम्बन्धों में दरार आना। पहले जो सम्बन्ध आत्मीयतापूर्ण थे, वे अब तिरस्कार में बदलने लगे। लेखक की आर्थिक स्थिति डगमगाने लगी और सम्बन्ध बिगड़ने लगे।

    c. बुद्धि की मार से लेखक का अर्थ है कि लोगों की बुद्धि में ऐसे विचार भरना कि वे उसके अनुसार काम करें। धर्म के नाम पर, ईमान के नाम पर लोगों को एक-दूसरे के खिलाफ भड़काया जाता है। लोगों की बुद्धि पर पर्दा डाल दिया जाता है। उनके मन में दूसरे धर्म के विरुद्ध जहर भरा जाता है। इसका उद्देश्य खुद का प्रभुत्व बढ़ाना होता है।

19. लेखक यशपाल का प्रस्तुत कहानी में अपने संस्मरणों के आधार पर ऐसा मानना है। वास्तव में वह दो विभिन्न परिस्थितियों में एक अनहोनी की प्रतिक्रिया दो अलग-अलग रुपों में पाता है। यह अनहोनी प्रस्तुत पाठ में जवान बेटे के मरने की है जो अमीर और गरीब दो विभिन्न घरों या कहिये परिस्थितियों में होती है। लेखक अमीर और संपन्न घर में दुख को मनाने की सहूलियत देखता है। क्योंकि उनके पास सुख और सुविधा दोनों होती है। लेखक का मानना है कि ऐसे घरों में लोगों को अपने पेट की चिन्ता करने से मुक्ति मिलने पर उनके पास शोक मनाने का 'एक्स्ट्रा टाइम' होता है, समय की सहूलियत

होती है और इस प्रकार इन्हें दुख मनाने का अधिकार भी मिल जाता है। जबकि गरीब विवश होता है वह रोटी कमाने की उलझनों में इतना घिरा होता है कि उसे दुःख मनाने का समय ही नहीं होता।

OR

i. एक सम्मिलित अभियान की सफलता सभी के सहयोग पर आधारित होती है।
ii. सहयोग के आधार पर सामान्य-सा व्यक्ति भी एक महत्त्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर सकता है।
iii. बछेन्द्रीपाल ने स्वयं यह करके दिखाया है-अपने व्यवहार से सहयोग की भावना का परिचय दिया है।
iv. उसने जब देखा कि उसके साथ जय और मीनू कैंप तक नहीं पहुँचे हैं तो उनके लिये चाय जूस बनाया तथा मार्ग में ही जा पहुँची, जबकि उस रास्ते पर जाना कठिन और खतरनाक था।
v. सहयोग के आधार पर ही उपनेता प्रेमचन्द, डॉ. मीनू मेहता, लोपसांग तथा अंगदोरजी बड़ी-बड़ी भूमिकाओं का निर्वाह कर रहे थे।
अतः बछेन्द्री पाल का यह कथन सर्वथा उपयुक्त है।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. कवि ने ईश्वर को पतित-पावन और उद्धारक बताया है। इसका आशय है कि ईश्वर बिना किसी से डरे नीच को भी ऊँची पदवी प्रदान करता है। गरीबों का दुख दर्द समझने वाले प्रभु उन्हें संकटों से मुक्त करता है। ईश्वर की भक्ति करने वाले प्रत्येक मानव उसकी नजर में समान है। इस पंक्ति में उसने ईश्वर को गोबिंद के नाम से संबोधित करते हुए कहा है कि भगवान बिना किसी से डरे नीच को भी ऊँचा बना सकते हैं।

b. इस पंक्ति का अर्थ है जिस तरह पौधे की जड़ को सींचने से हमें फूल और फल प्राप्त होते हैं, उसी तरह एक ईश्वर की साधना करने से हम संसारिक सुख भी प्राप्त कर सकते हैं। हमें अनेक देवी-देवताओं में आस्था रखने की बजाये एक ईश्वर के प्रति सच्चे मन से आस्था रखनी चाहिए। इससे निश्चित ही हमें लक्ष्य की प्राप्ति होगी और हम कर्तव्य के मार्ग से भी नहीं भटकेंगे।

c. प्राचीन समय से ही भारतीय समाज वर्गों में बँटा है। यहाँ समाज के एक वर्ग द्वारा स्वयं को उच्च तथा दूसरे को निम्न और अछूत समझा जाता है। इस वर्ग का देवालयों में प्रवेश आदि वर्जित है, जो सरासर गलत है। सुखिया का पिता भी जाति-पाति का बुराई का शिकार हुआ था। यह कविता हम सभी को समान समझने, ऊँच-नीच, छुआछूत आदि सामाजिक बुराइयों को नष्ट करने की प्रेरणा देती है। अत: यह कविता पूर्णतया प्रासंगिक है।

21. प्रेम का धागा विश्वास से बँधा होता है। जब धागा टूट जाता है तो मन में गाँठ पड़ जाती है और पहले की तरह प्रेमपूर्ण सम्बन्ध नहीं बन पाते। अर्थात् विश्वास खत्म हो जाने पर मन को नहीं जोड़ा जा सकता। अतः सम्बन्धों की डोर से आपसी विश्वास को मज़बूत बनाए रखना चाहिए। सम्बन्धों को जोड़ने में, बनाने में बहुत समय लगता है परन्तु तोड़ना बहुत आसान होता है। अतः हमें सम्बन्धों को बड़ी ही नज़ाकत के साथ निभाना चाहिए।

OR

एक मरणासन्न अछूत कन्या के मन में यह चाह उठी कि काश ! कोई उसे देवी के चरणों में अर्पित किया हुआ एक फूल लाकर दे दे । कन्या के पिता ने बेटी की मनोकामना पूर्ण करने का बीड़ा उठाया। वह देवी के मंदिर में जा पहुँचा। देवी की आराधना भी की पर उसके बाद वह देवी के भक्तों को खटकने लगा। मानव मात्र को एकता का सन्देश देने वाली देवी के सवर्ण भक्तों ने उस विवश लाचार आकांक्षी अछूत पिता के साथ बदसलूकी की और उसे मंदिर में प्रविष्ट होने के अपराध में सात दिन के कारावास का दंड दिया। इन सात दिनों में उसकी बेटी का देहांत हो गया।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. लेखिका को एक मोटर दुर्घटना में आहत होकर कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ा था। लेखिका की अनुपस्थिति में गिल्लू का किसी काम में भी मन नहीं लगता था। यहाँ तक कि उसने अपना मनपसंद भोजन काजू खाना भी कम कर दिया था। वह हमेशा लेखिका का इंतजार करता रहता और किसी के भी आने की आहट सुनकर लेखिका के अस्पताल से लौट आने की उसकी उम्मीदें बढ़ जातीं। लेखिका के घर वापस आने के बाद गिल्लू तकिए पर सिरहाने बैठकर अपने नन्हें-नन्हें पंजों से लेखिका का सिर एवं बाल धीरे-धीरे सहलाता रहता था। लेखिका को उसकी उपस्थिति एक परिचारिका की उपस्थिति महसूस होती। इन्हीं कारणों से लेखिका ने गिल्लू के लिए परिचारिका शब्द का प्रयोग किया है।

b. लेखक एक बार तक्षशिला के पौराणिक खंडहर देखने गया था। वहाँ रेलवे स्टेशन पर उतरकर किसी होटल की तलाश में निकला। वह भूखा-प्यासा था। उसे उस गाँव में एक दुकान पर चपातियाँ सेंकता हुआ हामिद मिला। खाने के बारे में पूछताछ करने के कारण उसका हामिद खाँ से परिचय हुआ।

c. गाँधी ने यह वाक्य दरबारों के लिए कहा। दरबार रास में रहते हैं, परन्तु इनकी मुख्य बस्ती कनकपुर और उससे सटे गाँव देवण में है। यह लोग रियासतदार होते थे। इनका जीवन ऐशो-आराम का था। इनका राजपाट था। फिर भी ये सब कुछ छोड़कर यहाँ आकर बस गए। गाँधी जी ने इनके त्याग के विषय में उपर्युक्त वाक्य कहा।

खंड - घ (लेखन)

23. स्वामी विवेकानन्द ने अपने देश के नवयुवकों से कहा था-'मेरे नवयुवक मित्रो ! बलवान बनो। तुमको मेरी यह सलाह है। गीता के अभ्यास की अपेक्षा फुटबॉल खेलने के द्वारा तुम स्वर्ग के अधिक निकट पहुँच जाओगे।' इस कथन से स्पष्ट है कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास सम्भव है और शरीर को स्वस्थ तथा मजबूत बनाने के लिये खेल अनिवार्य है। मनोवैज्ञानिकों का मत है कि मनुष्य की खेलों में रुचि स्वाभाविक है। इसी कारण बच्चे खेलों में अधिक रुचि लेते हैं। पी. साइरन ने कहा है-"अच्छा स्वास्थ्य एवं अच्छी समझ जीवन के दो सर्वोत्तम वरदान हैं।" इन दोनों की प्राप्ति के लिए जीवन में खिलाड़ी को खिलाड़ी की भावना से खेल खेलना आवश्यक है। खेलने से शरीर को बल, माँसपेशियों को उभार, भूख को तीव्रता, आलस्यहीनता तथा मलादि को शुद्धता प्राप्त होती है। खेल खेलने से मनुष्य में संघर्ष करने की आदत आती है। जीवन की जय-पराजय को आनन्दपूर्ण ढंग से लेने की महत्त्वपूर्ण आदत खेल खेलने से ही आती है। खेल हमारा भरपूर मनोरंजन करते हैं। खिलाड़ी हो अथवा खेल-प्रेमी, दोनों को खेल के मैदान में एक अपूर्व आनन्द मिलता है।

OR

हमारी मातृभाषा - किसी देश की वह भाषा जिसका प्रयोग उस देश के लगभग सभी राज्यों, क्षेत्रों, नगरों और गाँव के लोगों के द्वारा किया जाता है वह मातृ भाषा कहलाती है। हिन्दी भाषा भारत की मातृ भाषा व राष्ट्र भाषा दोनों पदों पर आसीन है। हिंदी भाषा को भारतीय संविधान में भारत की आधिकारिक राष्ट्र भाषा का स्थान प्राप्त है।

पाठकों का घटता रुझान और कारण - स्वतंत्रता के पश्चात् इस भाषा के साहित्यिक पक्ष की लोग उपेक्षा कर रहे हैं। वर्तमान समय में भी इसके साहित्य के प्रति लोगों का रुझान घटता जा रहा है। लोग हिन्दी साहित्य को छोड़कर विदेशी साहित्य के मनोरंजन के प्रधान साधन सिनेमा की ओर अधिक आकर्षित हो रहे हैं। उन्हें कविताओं के स्थान पर फिल्मी गानों की धुनें अधिक याद रहती हैं। इसकी उपेक्षा के मूल कारण हैं - हिन्दी साहित्य के प्रचार-प्रसार में कमी, दूरदर्शन पर प्रसारित कार्यक्रमों में इससे संबंधित कार्यक्रमों का अभाव व विद्यालयों में हिन्दी पर कम ध्यान दिया जाना। यदि यही स्थिति रही तो एक दिन हिन्दी साहित्य अपना अस्तित्व खो देगा।

उपेक्षाभाव दूर करने के उपाय - इसके अस्तित्व को बचाने व लोगों में इसके प्रति रूचि बढ़ाने के लिए इसके प्रचार-प्रसार पर अधिक बल देना होगा। दूरदर्शन के कार्यक्रमों में इससे सम्बन्धित कार्यक्रमों को स्थान देना होगा। काव्य गोष्ठियों का आयोजन करना होगा। कवि सम्मेलनों का आयोजन करना होगा व इन सबसे ऊपर कवियों का सम्मान करना होगा तभी हिन्दी साहित्य को पुनः अपना स्थान प्राप्त होगा।

24. परीक्षा भवन,
मथुरा
दिनांक 05-03-2019
प्रिय मित्र अंकित,
सप्रेम नमस्कार।

मुझे यह देखकर बहुत वेदना होती है कि मेरे घर के आस-पास झुग्गी-झोंपड़ी में रहने वाले अधिकांश बच्चे स्कूल नहीं जाते तथा उनके माता-पिता उन्हें काम पर भेज देते हैं। हमारे देश में 14 साल तक के बच्चों से काम करवाना अपराध है तथा अनिवार्य शिक्षा देने की बात संविधान में है तथापि इस नियम का उल्लंघन धड़ल्ले से होता है।

मैंने अपने कक्षाध्यापक से इस विषय में बात की है। उन्होंने हम पाँच विद्यार्थियों की एक टोली गठित कर दी जो सभी मेरे मोहल्ले के निवासी हैं तथा सहपाठी भी हैं। हम सबने यह तय किया है कि स्कूल न जाने वाले बच्चों के माँ-बाप को हम यह बताएँगे कि सरकार ने अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था की है तथा वे पढ़ा-लिखाकर अपने बच्चों के भविष्य का निर्माण कर सकते हैं।

यही नहीं मैंने अपने पिताजी को भी अपने अभियान में साथ ले लिया है और ऐसे बच्चों को लेकर हम पास के स्कूल में जाकर उनका दाखिला करवा देंगे। उन्हें देखकर अन्य ऐसे बच्चों एवं अभिभावकों को भी प्रेरणा मिलेगी।

आशा है तुम मेरी इस योजना से सहमत होगे। तुम्हारा मथुरा आने का क्या कार्यक्रम है, मुझे सूचित करें क्योंकि मैं तुमसे मिलने को उत्सुक हूँ।

पत्रोत्तर की प्रतीक्षा रहेगी।

तुम्हारा मित्र,

दिनेश

OR

जी-275, वसंत कुंज,
नई दिल्ली
05 मार्च, 2019
प्रिय प्रीति,
शुभाशीष।
आशा है तुम स्वस्थ और प्रसन्न होगी। कल ही तुम्हारे छात्रावास की अधीक्षिका से एक पत्र-पिताजी को प्राप्त हुआ, जिसे पढ़कर उन्हें बहुत चिन्ता हुई। पत्र में उन्होंने लिखा है कि तुम आजकल अपना बहुत-सा समय बनाव-श्रृंगार में लगा देती हो।
प्रिय बहन! माना कि इस आयु में अधिकतर तरुण-तरुणियों का रुझान बनाव-श्रृंगार की ओर हो जाता है, किन्तु प्रत्येक रुझान और कार्य की एक सीमा होती है। यदि हमारा कोई रुझान अथवा प्रवृत्ति हमारे बहुमूल्य समय को खा जाए अथवा निर्धारित खर्च को बहुत बढ़ा दे तो उसे तत्क्षण छोड़ देने में ही हमारी भलाई है। हम अपने उद्देश्य से ही भटक जाते हैं। अथैव प्रिय बहन, इस प्रवृत्ति को एकदम त्याग दो। ध्यान रहे-सादा जीवन, उच्च विचार ही उन्नति और विकास की कुंजी है। आशा है भविष्य में तुम ऐसी किसी शिकायत का अवसर नहीं दोगी।
माताजी और पिताजी की ओर से तुम्हें बहुत-बहुत आशीर्वाद।
सस्नेह तुम्हारी दीदी,
तृप्ति

25.

संदेश

13 अक्तूबर, 2020
प्रातः 11:52 बजे
हमारे नवनिर्वाचित सांसद श्री गिरीश सिंह जी को हार्दिक बधाई। ऊपरी सदन में आपकी उपस्थिति से हमारे क्षेत्र एवं देश के कल्याणकारी मुद्दों को बल मिलेगा। विकास और जनकल्याण का मार्ग सुगम होगा। आपके राजनीतिक अनुभव और ज्ञान का लाभ हमारे क्षेत्र को प्राप्त होगा। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे। गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार खत्म होगा। किसानों, मजदूरों व युवाओं को उनका हक मिलेगा। आपकी जीत से हमारे क्षेत्र की नव निर्माण की राह खुलेगी।
समस्त क्षेत्रवासी

OR

संदेश

13 अक्तूबर 20xx

प्रातः 11:40 बजे

हम सब पालम विधानसभावासी नवनिर्वाचित विधायक श्री गिरीश जी को तहे दिल से बधाई देते हैं।

हम आशा करते हैं कि आप हमारे विश्वास को बनाए रखेंगे। लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने में आप सब का अमूल्य योगदान है अतः सभी मर्यादाओं को ध्यान में रखकर क्षेत्र के हित में आवश्यक कदम उठाएँगे। आप क्षेत्र में रुके पड़े विकास के कार्य को फिर से पटरी पर लाएंगे ऐसा हम सबका विश्वास है।

निवेदक

समस्त क्षेत्रवासी

26. **राहुल** - आओ मोहित, बैठो। तुम्हें पता है हमारे देश में भुखमरी और कुपोषण बच्चों का बचपन छीन रहा है।

मोहित - राहुल अपना देश ही क्या दुनिया में बहुत से ऐसे देश है, खासकर, अफ्रीकी देश जो इस समस्या का सामना कर रहे हैं।

राहुल - हाँ! हमारे देश के भी कई प्रदेशों में यह समस्या है। हाँ! कहीं-कहीं धनाभाव के कारण दो वक्त का खाना नसीब नहीं है और कहीं प्राकृतिक आपदाओं में सब नष्ट हो गया है इसलिए खाना नसीब नहीं है।

मोहित - बिलकुल ठीक कह रहे हो राहुल, भुखमरी ही कुपोषण का कारण है। कहीं-कहीं पैदावार को अत्यधिक खादों एवं कीटनाशकों से जहरीला बनाकर कुपोषण की ओर ढकेल रहे हैं। अतः सारी दुनिया को जागरूक होकर अब भुखमरी व कुपोषण के खिलाफ जागरूक होना ही होगा।

OR

शिक्षक- गोविन्द! आज का अख़बार पढ़ा तुमने।

गोविन्द- जी श्रीमान! किन्तु उसमें ऐसी क्या खबर थी?

शिक्षक- यानी तुमने ठीक से नहीं पढ़ा। उसमें आज हमारे शहर के विकास मॉडल को मंजूरी मिल गई है।

गोविन्द- जी श्रीमान ! मैंने पढ़ा! ये तो बहुत प्रसन्नता का विषय है अब हमारा शहर भी विकास के पथ पर अग्रसर होता हुआ दिखाई देगा। यहाँ भी चारों ओर हाइवे, मॉल और मल्टीप्लेक्स होंगे।

शिक्षक- ठीक कहा गोविन्द, बताओगे इससे हमारे शहर को क्या-क्या लाभ होंगे?

गोविन्द- शहर की सड़कों पर वाहनों का भार कम होगा, हमारी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, साथ ही शहरवासियों को मनोरंजन के साधन व अपनी आवश्यकताओं की सभी वस्तुएँ एक ही छत के नीचे आसानी से उपलब्ध होंगी।

शिक्षक- बिल्कुल ठीक गोविन्द, शाबाश।

27. सभी रोगों की बस एक दवाई, घर में रखो साफ़ सफाई।

OR

कन्याओ को सुरक्षित रखने का होगा इरादा |

दहेज़ न लेने का सबको करना होगा वादा |